अध्याय 1 परिचय

बहुविकल्पीय प्रश्न (Multiple Choice Question)

1. निम्न में से कौन अर्थव्यवस्था की केंद्रीय समस्या है?
a. साधनों का आवंटन
b. साधनों का कुशलतम उपयोग
c. आर्थिक विकास
d. उपर्युक्त सभी

2. अर्थशास्त्र की धन संबंधी परिभाषा किसने दी है?
a. एडम स्मिथ b. मार्शल
c. रॉबिंस d. पीगू

3. सबसे पहले माइक्रो शब्द का प्रयोग किसने किया?
a. मार्शल b. केन्स
c. रैगनर फ्रिश d. बोल्डिंग

4. निम्न में से कौन आर्थिक क्रिया का प्रकार है?
a. उत्पादन b. उपभोग
c. विनिमय d. उपर्युक्त सभी

5. आर्थिक समस्या को दर्शाने वाले वक्र को कहते हैं?
a. उत्पादन वक्र b. मांग वक्र
c. उदासीनता वक्र d. उत्पादन संभावना वक्र

6. उत्पादन संभावना वक्र का ढाल गिरता है-
a. बाएं से दाएं b. दाएं से बाएं
c. नीचे से ऊपर d. ऊपर से नीचे

7. अवसर लागत का वैकल्पिक नाम क्या है?
a. औसत लागत b. सीमांत लागत
c. मौद्रिक लागत d. आर्थिक लागत

8. आर्थिक समस्या मूल रूप से किस तथ्य की समस्या है?
a. उत्पादन की b. उपभोग की
c. चुनाव की d. इनमें से कोई नहीं

9. निम्न में से कौन उत्पादन के साधन हैं?
a. भूमि b. पूंजी
c. श्रम d. उपर्युक्त सभी

10. मिश्रित अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण निर्णय किसके द्वारा लिए जाते हैं?
a. बाजार द्वारा b. जनता द्वारा
c. सरकार द्वारा d. संस्था द्वारा

उत्तर - 1-d 2-a 3-c 4-d 5-d 6-a 7-d 8-c 9-d 10-c

अति लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Very Short Question Answer)

प्रश्न 1. अर्थव्यवस्था की किन्ही दो केंद्रीय समस्याओं को लिखें?

उत्तर - किसी अर्थव्यवस्था की दो केंद्रीय समस्याएँ निम्न है -
i. किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में?
ii. कैसे उत्पादन किया जाए?

प्रश्न 2. एक केंद्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था के अंतर्गत योजना का निर्माण कौन करता है?

उत्तर - एक केंद्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था में योजना का निर्माण सरकार या केंद्रीय सत्ता द्वारा किया जाता है।

प्रश्न 3. अर्थशास्त्र की दो व्यापक शाखाओं का नाम बताएं?

उत्तर - अर्थशास्त्र की दो व्यापक शाखाएं निम्न है-
i . व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा
ii. समष्टि अर्थशास्त्र।

प्रश्न 4. किस अर्थशास्त्री के अनुसार अर्थशास्त्र मानव कल्याण का शास्त्र है?

उत्तर - अल्फ्रेड मार्शल।

प्रश्न 5. व्यष्टि चर के दो उदाहरण दें।

उत्तर - व्याष्टि चर के दो उदाहरण निम्न है-
i. व्यक्तिगत फ़र्म तथा ii. एक उपभोक्ता का व्यवहार।

प्रश्न 6. समष्टि चर के दो उदाहरण दें।

उत्तर - समष्टि चर के दो उदाहरण निम्न हैं -
i. राष्ट्रीय आय तथा ii. कीमत स्तर।

प्रश्न 7. किस अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र का अस्तित्व होता है?

उत्तर - मिश्रित अर्थव्यवस्था में निजी क्षेत्र एवं सार्वजनिक क्षेत्र का अस्तित्व होता है।

प्रश्न 8. एडम स्मिथ द्वारा रचित पुस्तक का नाम लिखें।

उत्तर - An Enquiry into the Nature and Causes of Wealth of Nations

प्रश्न 9. उस वक्र का नाम बताएं जो 2 वस्तुओं या सेवाओं के अधिकतम संभव उत्पादन संयोगों को दर्शाता है?

उत्तर - उत्पादन संभावना वक्र।

प्रश्न 10. आर्थिक क्रिया को स्पष्ट करें।

उत्तर - आर्थिक क्रियाओं का संबंध उन सभी क्रियाओं से है जो मानवीय आवश्यकताओं की संतुष्टि के लिए सीमित साधनों जिनका वैकल्पिक प्रयोग हो सकता है का उपयोग करते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्नोत्तर (Short Question Answer)

प्रश्न 1. उत्पादन संभावना वक्र से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - एक अर्थव्यवस्था में उपलब्ध संसाधनों एवं उत्पादन की दी गई तकनीक द्वारा वस्तुओं एवं सेवाओं के विभिन्न संयोंगो का उत्पादन किया जा सकता है। इन्हीं संयोंगो को दर्शाने वाली रेखा को उत्पादन संभावना वक्र कहते हैं। अर्थव्यवस्था में एक वस्तु के उत्पादन की मात्रा को बढ़ाने के लिए दूसरी वस्तु की उत्पादन की मात्रा को कम करना पड़ता है, यही कारण है कि उत्पादन संभावना

© JCERT not to be republished

वक्र का झुकाव ऊपर से नीचे दाहिनी ओर होता है।

उदाहरण तालिका

उत्पादन संभावना	X वस्तु	Y वस्तु	MRTS
A	0	15	-
B	1	14	1:1
C	2	12	1:2
D	3	9	1:3
E	4	5	1:4
F	5	0	1:5

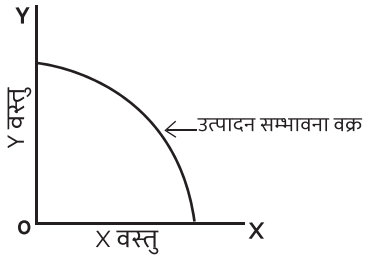

प्रश्न 2. एक अर्थव्यवस्था की तीन मुख्य केंद्रीय समस्याएं क्या है?

उत्तर - अर्थव्यस्था की तीन केन्द्रीय समस्याएँ इस प्रकार हैं-

(i) किन वस्तुओं का उत्पादन किया जाए और कितनी मात्रा में? - इस समस्या का संबंध विभिन्न वस्तुओं के उत्पादन के बीच चुनाव की है, एक अर्थव्यवस्था में यह निश्चित करना होता है कि वह किन वस्तुओं का उत्पादन करें। जैसे उपभोग वस्तु या पूंजीगत वस्तु, युद्ध की वस्तु या सार्वजनिक वस्तु, शिक्षा पर व्यय या सैन्य सेवाओं पर व्यय।

(ii) वस्तुओं का उत्पादन कैसे करें ? - इस समस्या का संबंध उत्पादन की तकनीक के चुनाव से है। एक अर्थव्यवस्था को यह तय करना होता है कि वह उत्पादन की किस विधि का चुनाव करें - पूंजीगत तकनीक या श्रमगहन तकनीक। यहां तक कि कृषि कार्यों में भी तकनीक के चुनाव की समस्या आती है - विस्तृत खेती करें या गहन खेती करें। एक उत्पादक उसी उत्पादन विधि का चुनाव करता है जिसमें उसे न्यूनतम औसत उत्पादन लागत वहन करना पड़ता है।

(iii) उत्पादन किसके लिए करें ? – अर्थव्यवस्था में उत्पादित वस्तुओं की कितनी मात्रा किसे प्राप्त होगी, अर्थव्यवस्था के उत्पादन को व्यक्ति विशेष में किस प्रकार विभाजित किया जाए। यह आय के वितरण पर निर्भर करता है। यदि आय समान रूप से विभाजित होगी, तो वस्तुएँ और सेवायें भी समान रूप से विभाजित होंगी। निर्णायक सिद्धान्त यह है कि वस्तुओं और सेवाओं को इस प्रकार वितरित करें कि बिना किसी को बदतर बनाये किसी अन्य को बेहतर बनाया जा सके।

प्रश्न 3. सीमांत उत्पादन संभावना क्या है?

उत्तर- सीमान्त उत्पादन संभावना दो वस्तुओं के उन संयोगों को दर्शाती है, जिनका उत्पादन अर्थव्यवस्था के संसाधनों का पूर्ण रूप से उपयोग करने पर किया जाता है। यह एक वस्तु की एक अतिरिक्त इकाई प्राप्त करने की अवसर लागत है।

प्रश्न 4. व्यष्टि अर्थशास्त्र तथा समष्टि अर्थशास्त्र में अंतर स्पष्ट करें।

उत्तर -

व्यष्टि अर्थशास्त्र	समष्टि अर्थशास्त्र
i. व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्तिगत स्तर पर आर्थिक समस्या का अध्ययन किया जाता है, जैसे- एक उपभोक्ता, एक उत्पादक तथा एक फर्म आदि।	i. समष्टि अर्थशास्त्र में संपूर्ण अर्थव्यवस्था की आर्थिक इकाइयों का अध्ययन होता है, जैसे- राष्ट्रीय आय, कीमत स्तर, समग्र मांग तथा समग्र पूर्ति आदि।
ii. व्यष्टि अर्थशास्त्र में व्यक्ति और व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन होता है।	ii. समष्टि अर्थशास्त्र में समाज और समाज के व्यवहार का अध्ययन होता है।
iii. इसका उद्देश्य साधनों के कुशल बंटवारे से संबंधित सिद्धांतों, समस्याओं एवं नीतियों का अध्ययन करना है।	iii. इसका उद्देश्य साधनों के पूर्ण रोजगार तथा उनके विकास से संबंधित सिद्धांतों, समस्याओं तथा नीतियों का अध्ययन करना है।
iv. इसे कीमत सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है।	iv. इसे आय एवं रोजगार सिद्धांत के नाम से भी जाना जाता है।

प्रश्न 5. केंद्रीयकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था तथा बाजार अर्थव्यवस्था के भेद को स्पष्ट करें।

उत्तर -

बाजार अर्थव्यवस्था	केन्द्रीकृत योजनाबद्ध अर्थव्यवस्था
1. इस अर्थव्यवस्था में माँग और पूर्ति की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तः क्रिया का पूर्ण वर्चस्व होता है।	इस अर्थव्यवस्था में माँग और पूर्ति की शक्तियों की स्वतन्त्र अन्तः क्रिया का अभाव होता है।
2. इसमें उत्पादन कारकों पर निजी स्वामित्व होता है।	इसमें उत्पादन कारकों पर सरकारी स्वामित्व होता है।
3. इसमें उत्पादन लाभ के उद्देश्य से किया जाता है।	इसमें उत्पादन समाज कल्याण के उद्देश्य से किया जाता है।
4. इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के आर्थिक क्रियाविधि में कोई हस्तक्षेप नहीं करती।	इसमें सरकार उत्पादकों और परिवारों के आर्थिक क्रियाविधि में हस्तक्षेप करती है।

© JCERT not to be republished

5. इसमें उपभोक्ता का प्रभुत्व होता है।	इसमें उपभोक्ता की प्रभुता बाधित होती है।
6. अधिकारों के कारण पूँजी के संचय की अनुमति दी गई है।	यहाँ पूँजी के संचय की अनुमति नहीं दी गई है।
7 संयुक्त राष्ट्र अमेरिका, फ्रांस, जापान आदि।	चीन, रूस आदि

प्रश्न 6. अवसर लागत से आप क्या समझते हैं?

उत्तर - किसी साधन की अवसर लागत का अर्थ उसके दूसरे सर्वश्रेष्ठ वैकल्पिक प्रयोग से है। इसका अर्थ यह है कि साधन सीमित होते हैं जिनके वैकल्पिक प्रयोग हो सकते हैं। जब साधन का प्रयोग किसी एक वस्तु के उत्पादन में बढ़ाया जाता है तो दूसरी वस्तु का उत्पादन कम करना पड़ता है। इस प्रकार किसी एक वस्तु की अवसर लागत दूसरी वस्तु की वह मात्रा होती है जिसका त्याग करना पड़ता है। अवसर लागत को आर्थिक लागत भी कहते हैं।

प्रश्न 7. आर्थिक समस्या क्या है ? यह क्यों उत्पन्न होती है?

उत्तर - आर्थिक समस्या मूल रूप से चुनाव की समस्या है। आर्थिक समस्या उत्पन्न होने के कारण -

i. **असीमित आवश्यकताएं-** मानवीय आवश्यकताएं असीमित होती है। एक आवश्यकता को पूर्ण करते ही दूसरी आवश्यकताएं उत्पन्न हो जाती हैं। एक समय में मनुष्य की सभी आवश्यकताओं को संतुष्ट नहीं किया जा सकता है।

ii. **आवश्यकताओं की तीव्रता में अंतर** - मानव की सभी आवश्यकताओं की तीव्रता एक सी नहीं होती है, अर्थात कुछ अधिक महत्वपूर्ण एवं कुछ कम महत्वपूर्ण होती है। अधिक महत्व वाले आवश्यकताओं की तीव्रता अधिक होती है

iii. **साधन सीमित होते हैं** - साधन सीमित होते हैं का अर्थ है कि साधनों की पूर्ति इनकी मांग की तुलना में कम होती है।

iv. **सीमित साधनों के वैकल्पिक प्रयोग** - साधन सीमित होते हैं और इनके वैकल्पिक प्रयोग हो सकते हैं। जैसे- यदि किसी के पास ₹ 500 हैं तो वह इससे एक शर्ट या एक जोड़ी जूता या एक किताब खरीद सकता है।

v. **चुनाव की समस्या-** सीमित साधनों से सभी आवश्यकताओं को पूरा नहीं किया जा सकता है। अतः साधन को किस आवश्यकता की पूर्ति में कितनी मात्रा में प्रयोग किया जाए यह समस्या उत्पन्न होती है, इसे ही चुनाव की समस्या कहते हैं।

© NCERT not to be republished